एफडीआई के खिलाफ गरजे भाजपाई

रुद्रपुर/हल्द्वानी,21 नवम्बर। केंद्र सरकार द्वारा देश में रिटेल में एफडीआई लाये जाने के विरोध में आज विधायक राजकुमार ठुकराल एवं पुष्कर धामी के नेतृत्व में भारी संख्या में पार्टी कार्यकर्ताओं ने कलेक्ट्रेट परिसर में केंद्र सरकार के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन कर धरना दिया। धरना स्थल पर आयोजित सभा को सम्बोधित करते हुए श्री ठुकराल व श्री धामी ने कहा कि केंद्र सरकार आकंठ भ्रष्टाचार में डूबी हुई है। कामनवेल्थ गेम्स में उपकरण खरीद घोटाला, टूजी स्पेक्ट्रम व कोयला घोटाला आदि इसके प्रत्यक्ष उदाहरण है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस अपने दागी नेताओं को मंत्री बना रही है, देश में बढ़ती महंगाई एवं बेरोजगार के बावजूद केंद्र सरकार रिटेल में एफडी आई लाकर अपने ही देश के व्यापारियों का रोजगार छीनने व किसानों का शोषण करने का काम कर रही है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार उत्तराखण्ड के साथ सौतेला व्यवहार कररही है। यहां पर्यटन, रेलवे, रोजगार, स्वास्थ्य, शिक्षा, सड़क एवं दूरसंचार आदि के क्षेत्र में कोई कार्य नहीं कराया जा रहा है।वक्ताओं ने कांग्रेस सरकार की नीतियों को जन विरोधी बताते हुए राष्ट्रपति को ज्ञापन भेज केंद्र सरकार को भंग करने की मांग की। इस दौरान सुरेश पपनेजा,राम प्रकाश गुप्ता, सत्य प्रकाशचौहान,विकास शर्मा, राजेश बजाज,सुरेशकोली,विवेक सक्सेना, तरुण दत्ता,अनिलचौहान,चन्द्रसेन,अनंतराम पाल,कमलेंद्र सेमवाल, अशोक यादव, हरीश सुखीजा,देवेंद्र शर्मा,(शेष पृष्ठ 2 पर)

हादसे में कार्यवाहक कोतवाल की मृत्यु

खटीमा,21नवम्बर। बीती रात कार से अपने घर बनबसा जा रहे प्रभारी कोतवाल भगवती प्रसाद बिष्ट की सड़क हादसे में मौत हो गयी। चालीस वर्षीय भगवती प्रसाद बिष्ट यहां करीब चार माह से खटीमा कोतवाली में तैनात थे। प्राप्त जानकारी के मुताबिक कोतवाल के तबादले के बाद एसएसआई भगवती प्रसाद बिष्ट को कार्यवाहक कोतवाल का दायित्व सौंपा गया था। श्री बिष्ट बीती रात करीब बारह बजे अपनी आल्टो कार से अपने घर बनबसा के लिए रवाना हुए। बताया गया है कि चकरपुर में गन्ना सेंटर के पास किसी अज्ञात वाहन ने उनकी कार को जबरदस्त टक्कर मार दी। घटना की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। हादसे में बुरी तरह जख्मी हुए भगवती प्रसाद बिष्ट को अस्पताल ले जाया गया लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। मिलनसार और व्यवहार कुशल पुलिस अधिकारी की छवि रखने वाले भगवती प्रसाद बिष्ट की हादसे में मौत से परिवार में कोहराम मच गया वहीं पुलिस महकमे में भी शोक की लहर दौड़ गयी। आज पोस्टमार्टम के बाद उनका शव परिजनों को सौंप दिया गया। यहां शारदा घाट में गमगीन माहौल में उनकी अंत्येष्टि हुई। पुलिस के जवानों ने उन्हें सलामी दी। उनके श्रद्धांजलि देने के लिए पुलिस अधिकारियों के साथ साथ तमाम गणमान्य लोग भी पहुंचे। विधायक पुष्कर सिंह धामी ने भी उनके निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया।

अमृत हास्पिटल

मल्टी स्पेस्लेटी होस्पीटल एवं ट्रोमा सेन्टर, रुद्रपुर

डा. अनिल काम्बोज रेडियोलोजिस्ट M.B.B.S., D.M.R.D.

यूरो सर्जन – डा. रणजीत सिंह गिल M.S.

लेप्रोस्कोपी सर्जन – डा. जसविन्दर सिंह गिल M.S.

हड्डी एवं जोड़ रोग – डा. जी. एस. चीमा M.S. (Ortho)

स्त्री एवं प्रसूति रोग – डा. पवनप्रीत M.S. (OBS & Gynae)

कॉर्डियोलोजिस्ट – डा. प्रियंक चौहान M.D., All Medical & Cardiac Disorders

पेथोलोजिस्ट – डा. सारिका गर्ग M.D. (Path.)

फिजीयोथेरपी विभाग– डा. विशाल शर्मा

अमृत हास्पिटल, काशीपुर रोड, रुद्रपुर फोन: 05944-241748, 9359494100

औद्योगिक सुरक्षा को प्राथमिकता देने की जरूरत:दुर्गापाल

उत्तरांचल दर्पण

रुद्रपुर,21नवम्बर। प्रदेश में उद्योगों में कार्यरत कर्मकारों के स्वास्थ्य एवं सुरक्षा के साथ साथ पर्यावरण को संरक्षित करने के लिए सभी को प्राथमिकता से कार्य करने होंगे। यह बात प्रदेश के श्रम मंत्री हरीश चंद्र दुर्गापाल ने राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद उत्तराखंड चेप्टर द्वारा औद्योगिक सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं पर्यावरण विषय पर आयोजित दो दिवसीय सेमिनार में बतौर मुख्य अतिथि अपने सम्बोधन में कही। उन्होंने कहा कि औद्योगिक सुरक्षा के लिए उद्योगपतियों को समय समय पर इस प्रकार के सेमिनार आयोजित करना चाहिए ताकि विचारों का बेहतर आदान प्रदान हो सके। उन्होंने कहा कि उद्योगों से होने वाले प्रदूषण को बचाने के लिए भी मिलजुलकर प्रयास करने की आवश्यकता है ताकि पर्यावरण सुरक्षित रह सके। श्री दुर्गापाल ने उद्योगों में कार्यरत कर्मकारों की सुरक्षा व्यवस्था को भी पुख्ता करने को कहा। सेमिनार में अन्य वक्ताओं ने कहा कि राज्य में स्थापित हो रहे उद्योगों को सुचारू रूप से चलाने में श्रम विभाग का विशेष महत्व है। कारखानों को सुरक्षित एवं उनमें नियोजित कर्मकारों की सुरक्षा एवं श्रम कल्याणों के लिए कारखाना व बायलर प्रभाग द्वारा विभिन्न तकनीकों व नियमावलियों का पालन कराया जाता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए श्रमायुक्त पीएस कुटियाल ने बताया कि राज्य में करीब 40 अति खतरनाक प्रकृति के कारखाने पंजीकृत हैं जहां विभिन्न रसायनों का उपयोग एवं भंडारण किया जाता है जिससे दुर्घटना की आशंका बनी रहती है जिसके प्रति उद्यमियों को ठोस कदम उठाने चाहिए। चैप्टर के चेयरमैन एवं कारखाना उपनिदेशक आरके सिंह ने विभिन्न गतिविधियों की जानकारी दी। संचालन आरके शर्मा ने किया। इस मौके पर विकास जिंदल, विजय राघव, पालिकाध्यक्षा मीना शर्मा, पीएम दिण्डोरकर, एमके राय, एस देवराजन, अनिल आहुजा, दरबारा सिंह, एनसी सनवाल, अरूण राघव, आशुतोष शर्मा सहित कई उद्योगपति उपस्थित थे।